नी रिप्लेसमेंट क्या है?

घुटने का प्रत्यारोपण (knee replacemnt) एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जो गंभीर घुटने के जोड़ों की समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों को दर्द से राहत देने, घुटने की कार्यक्षमता को बढ़ाने और उनकी गतिशीलता में सुधार करने के लिए किया जाता है।

इस प्रक्रिया में घुटने के क्षतिग्रस्त या खराब हो चुके हिस्सों को हटाकर उनकी जगह मेटल और प्लास्टिक से बने कृत्रिम (artificial) इम्प्लांट लगाए जाते हैं।

नी रिप्लेसमेंट कब आवश्यक है?

नी रिप्लेसमेंट निम्नलिखित स्थितियों में सुझाया जाता है जब

- गंभीर घुटने का दर्द हो ।
- दैनिक कार्य करने में असमर्थता और दूसरों पर निर्भरता रहे ।
- गैर सर्जिकल उपचार (जैसे दर्द निवारक दवाएं, फिजियोथेरेपी, या इंजेक्शन) का विफल होना।

नी रिप्लेसमेंट के लाभ

- दर्द में महत्वपूर्ण कमी ।
- जोड़ों की बेहतर मूवमेंट और कार्यक्षमता।
- जीवन की गुणवत्ता में सुधार और दैनिक गतिविधियों को करने की क्षमता में वृद्धि।

नी रिप्लेसमेंट एक सफल सर्जरी के साथ एक प्रभावी इलाज है, विशेष रूप से दर्दनाक गुटनों के मामलों में।

नी रिप्लेसमेंट प्रक्रिया

डॉ. विजय कुमार सोहनलाल के अंतर्गत सर्जरी कराने वाले मरीजों के लिए प्री– और पोस्ट–सर्जिकल दिशा–निर्देश जिससे सबसे अच्छा परिणाम और आसानी से रिकवरी हो सके। गाइड इस प्रकार है :

डॉ. विजय कुमार सोहनलाल एक प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं, जो जोड़ों के प्रत्यारोपण (Joint Replacement) में विशेषज्ञता रखते हैं। वे रोबोटिक घुटने के प्रत्यारोपण, टोटल घुटना और कुल्हा प्रत्यारोपण (Total Knee & Total hip replacement), तथा रिवीजन घुटना और रिवीजन कुल्हा प्रत्यारोपण (Revision Knee & Revision Hip Replacement) में माहिर हैं। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता से कई मरीजों को फिर से चलने-फिरने में सक्षम बनाया है और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर किया है। डॉ. सोहनलाल ने ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और मुंबई के विश्व-प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों के साथ व्यापक प्रशिक्षण लिया है। उनकी उन्नत तकनीकों और क्षमताओं के कारण वे दोनों घुटनों के प्रत्यारोपण (Bilateral Knee Joint Replacement) को एक ही साथ में करने में सक्षम हैं, जिससे मरीजों के लिए रिकवरी का समय और अस्पताल में रहने की अवधि कम हो जाती है।

सर्जरी में अपने कौशल के अलावा, डॉ. सोहनलाल घुटने के दर्द के नॉन-सर्जिकल उपचार में भी अत्यधिक निपुण हैं। उन्होंने कूल्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (Cooled Radio frequency Ablation) में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं। यह तकनीक घुटने के जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए नसों (Nerve)पर कार्य करके दर्द के संकेतों को रोकती है, और इससे मरीजों को बिना सर्जरी के राहत मिलती है।

डॉ. सोहनलाल का मरीजों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण, उनके उन्नत सर्जिकल और नॉन-सर्जिकल कौशल के साथ मिलकर, उन्हें ऑर्थोपेडिक देखभाल के क्षेत्र में एक मजबूत प्रतिष्ठा दिलाता है। उनके प्रयासों और समर्पण ने हजारों मरीजों को बेहतर जीवन जीने का मौका दिया है।

सर्जरी से पहले

1. पूर्व–परामर्श :
डॉक्टर विजय सोहनलाल मरीज के घुटने की स्थिति का मूल्यांकन करते हैं, लक्षणों पर चर्चा करते हैं, और मेडिकल हिस्ट्री की जांच करते हैं। एक्स–रे और अन्य परीक्षण कराए जा सकते हैं जिससे घुटना कितना खराब है देखा जाता है और सर्जरी का प्लान किया जाता है ।

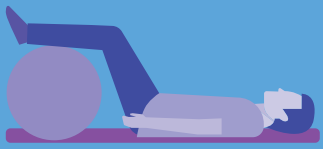

2. तैयारी योजना :
मरीजों को मांसपेशियों को मजबूत करने के व्यायाम, आहार, और जीवनशैली में बदलावों की सलाह दी जाती है।

3. स्वास्थ्य परीक्षण :
प्री एनेस्थीसिया जाँच मैं खून की जांच, ईसीजी, छाती का एक्स–रे और ईको समेत संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। उसके बाद सारे रिपोर्ट के साथ आप एनेस्थेटिस्ट को देखेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो दूसरे डॉक्टर्स से भी मिलना होगा जिससे यह निर्धारित कर सके की अन्य बीमारिया जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हार्ट का कोई प्रॉब्लम सर्जरी मैं मुश्किल ना पैदा कर दे । मरीजों को खून पतला होनी की दवाइयों को सर्जरी के कुछ दिनों के पहले रोकने की सलाह दी जा सकती है।

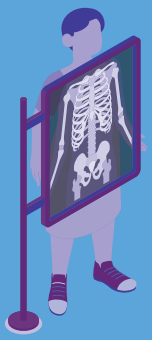

4. क्षितात्मक सत्र :
मरीज को प्रक्रिया, जोखिम और रिकवरी के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है।

सर्जरी के दौरान

घुटने के प्रत्यारोपण की सर्जरी आमतौर पर 1 से 2 घंटे तक चलती है और यह स्पाइनल और इपीड्यूरल एनेस्थीसिया मैं किया जाता है। इस दौरान, खराब हुई हड्डी और कार्टिलेज को हटाकर आर्टिफीसियल नी लगाया जाता है जो मेटल और प्लास्टिक का होता है। डॉ सोहनलाल सर्जरी के दौरान पैर के अलाइनमेंट को और घुटने के मूवमेंट को ऐसा निर्धारित करते है जिससे मरीज को अपना वास्तविक घुटना जैसा ज्यादा अच्छे से अच्छा मिल सके उसकी कोशिश करते है डॉ विजय स्थिति के अनुसार निर्णय लेते है की किस मरूज को रोबोटिक या कन्वेंशनल नी रिप्लेसमेंट की आवश्यकता होगी ।

दर्द रिलीफ :

डॉ. विजय सर्जरी के बाद अच्छे दर्द निवारण के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हैं। ऑपरेशन के दौरान ही घुटने के जोड़ में एक विशेष कॉकटेल इंजेक्शन दिया जाता है। सर्जरी के बाद ऑपरेशन थिएटर में ही नर्व ब्लॉक दिया जाएगा ताकि मरीज को अच्छा दर्द राहत मिल सके।

सर्जरी के बाद

1. अस्पताल में रहना और तुरंत रिकवरी :
सर्जरी के बाद मरीज 1–2 दिनों तक अस्पताल में रहते हैं। इस दौरान डॉ विजय की टीम उनकी रिकवरी पे ध्यान देते है और दर्द कम करने की दवा देते है जो बहुत जरूरी है रिकवरी में ।

2. फिजियोथेरेपी :
सर्जरी के 24 घंटों के अंदर ही पुनर्वास (Rehabilitation) शुरू हो जाता है। ज्यादातर मरीजों को सर्जरी के बाद के पहले दिन से ही चला देते है और सौचालय का कैसे इस्तेमाल करना है सीखा दिया जाता है। मरीज को अस्पताल से छुट्टी लेने से पहले सीडी छड़ने और उतने का ट्रेनिंग दिया जाता है। डॉ विजय मरीज को एक्सरसाइज के प्लान देते है जिससे मांसपेशी को स्ट्रॉंग किया जा सके। स्पाइरोमीटर एक्सरसाइज करने को कहा जाता है जिससे लंग की कैपेसिटी बड़े है और इम्युनिटी भी।

3. पैन मैनेजमेंट और फॉलो अप्स :
दर्द को दवाओं, बर्फ, और लिंब एलिवेशन से नियंत्रित किया जाता है। डॉ विजय रेगुलर फॉलो अप्स करते है जिससे रिकवरी पे नजर रखी जाती है और जरूरत पड़े तो प्लान में बदलाव भी लाते है।

4. लंबी अवधि की रिकवरी सामान्यत :
6–12 हफ्तों में बड़ी राहत मिलती है, पर पूर्ण स्वस्थ होने में एक साल लग सकता हैं।

MAHI
JOINT REPLACEMENT & ORTHOPAEDIC CLINIC

डॉ. विजय सोहनलाल

सीनियर रोबोटिक, घुटना और हिप रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ

18 मिलर्स रोड, किल्पॉक
चेन्नई –600 010

60 मुल्ला साहिब स्ट्रीट, सोकारपेट
चेन्नई – 600 079

+91 6381691195

www.mahiclinic.com
www.drvijaysohanlal.com

अन्य सेवाएंरू

1. सर्जरी के बिना घुटने के दर्द के लिए कूल्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन।
2. पीआरपी, जीएफसी और एचए इंजेक्शन द्वारा गैर–सर्जिकल उपचार।
3. टोटल हिप, कंधा और कोहनी प्रत्यारोपण।
4. घुटने और हिप की रिवीजन सर्जरी।
5. हिप की एवैस्कुलर नेक्रोसिस।
6. हड्डी टूटने का उपचार।